राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1753

01 अगस्त, 2018 को उत्तर के लिए

विदेशों से सस्ते इस्पात का आयात

1753. श्रीमती रूपा गांगुली:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि विदेशों से सस्ते इस्पात के अंधाधुंध आयात ने स्वदेशी इस्पात उद्योग को प्रभावित किया है, क्योंकि उनका माल जमा होता जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो विगत दो वर्षों के दौरान विभिन्न श्रेणी के इस्पात का घरेलू उत्पादन और आयातों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या आयात में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है, यदि हां, तो इसने स्वदेशी इस्पात उद्योग को किस तरह से प्रभावित किया है;

(घ) क्या इस्पात उद्योग ने यह मामला सरकार के समक्ष उठाया है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री विष्णु देव साय)**

(क): जी नहीं। गत दो वर्षों, यथा 2016-17 और 2017-18 में इस्पात का आयात स्थिर रहा है और फिनिश्ड इस्पात के आयात में 2016-17 के स्तर (7.23 मिलियन टन) की तुलना में वर्ष 2017-18 (7.48 मिलियन टन) में 3.5% की नाममात्र वृद्धि हुई है।

(ख): गत दो वर्षों का श्रेणीवार उत्पादन और आयात निम्नांकित सारणी में दर्शाया गया है:-

मदें	**हजार टन में मात्रा**			
	2016-17		**2017-18**	
	उत्पादन (शुद्ध)*	**आयात**	**उत्पादन (शुद्ध)***	**आयात**
कुल (नॉन-अलॉय)	80602	5366	84446	5636
कुल (अलॉय+स्टेनलेस)	5871	1861	7905	1846
कुल (फिनिश्ड इस्पात)	**86473**	**7227**	**92351**	**7482**

टिप्पणी:* दोहरी गणना को छोड़कर (डाउन स्ट्रीम उत्पादन में ट्रांसफर)

(ग) से (ङ): जी नहीं। वित्तीय वर्ष 2016-17 और 2017-18 की अवधि के दौरान इस्पात के आयात में कोई वृद्धि नहीं हुई है। वस्तुतः वर्ष 2016-17 और 2017-18 दोनों में भारत इस्पात का शुद्ध निर्यातक था।

*****